नवभारत
इंदौर, सोमवार, 01 दिसम्बर 2025


# सादगी और सामाजिक समरसता से 22 जोड़े बने हमसफर

▸ सामूहिक विवाह सम्मेलन में संत, महंत ,राजनेता से लेकर राज्यपाल तक हुए शामिल

**नवभारत न्यूज़**

**उज्जैन.** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पुत्र डॉ. अभिमन्यु यादव का विवाह रविवार को शहर में आयोजित भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन में वैदिक रीति से सम्पन्न हुआ. इस सम्मेलन में कुल 22 जोड़ों ने एक ही मंडप में सात फेरे लेकर वैवाहिक जीवन की शुरुआत की. समारोह के बाद सभी 22 जोड़ों को हाथों-हाथ विवाह प्रमाणपत्र प्रदान किए गए.

नवभारत ने 22 जोड़ों में से 7 जोड़ों से जब सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह करने के संबंध में सवाल किया तो सभी ने कहा कि भूतों न भविष्यति, यह आयोजन उनके जीवन का सबसे सुखद हिस्सा है. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के पुत्र के साथ ऐसे युवकों ने भी फेरे लिए जो मजदूरी करते हैं, फोटोग्राफर है, तो कोई ड्राइवरी करते हैं. साथ ही उन्होंने खुशी जताई कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के पुत्र डॉ अभिमन्यु यादव के जिस पंडाल में फेरे हो रहे हैं वहीं पर उनकी भी शादी हो रही है इससे बढ़कर खुशी की बात क्या हो सकती है.

**धीरेंद्र शास्त्री का विवाह भी इसी तरह कराएंगे**–सामूहिक विवाह सम्मेलन के दौरान एक अनोखी और रोचक घोषणा उस वक्त हुई जब मंच से योगगुरु बाबा रामदेव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जिस सादगी और सामाजिक समरसता से अपने बेटे का विवाह कराया है, उसी प्रकार धीरेंद्र शास्त्री का विवाह भी सामूहिक सम्मेलन में कराएंगे, इतना सुनते ही मंच से लेकर सभा मंडप में हंसी के फव्वारे छूट गए. बाबा रामदेव का यह कथन सुनते ही पूरे पंडाल में तालियाँ गूंज उठीं. मुख्यमंत्री भी मुस्कुराते हुए मंच पर मौजूद थे.

**धीरेंद्र शास्त्री ने आयोजन को बताया ऐतिहासिक**–जब वरमाला की रस्म शुरू हुई तो बाबा रामदेव स्वयं मंच पर पहुंचे और मंत्रोच्चार किया. इधर, बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने भी विवाह संस्कार को ऐतिहासिक और प्रेरणादायक बताया. उन्होंने कहा, ऐसा सामूहिक विवाह सम्मेलन पूरे देश में आदर्श बन सकता है. यह संत समाज के लिए गर्व का विषय है.

**अखाड़ा परिषद और पतंजलि की बड़ी घोषणाएँ**–कार्यक्रम में संतों और अखाड़ों की ओर से अहम घोषणाएँ की गईं. अखाड़ा परिषद ने सभी 22 जोड़ों को सवा लाख रुपये देने की घोषणा की. पतंजलि पीठ की ओर से प्रत्येक जोड़े को एक-एक लाख रुपये देने की घोषणा की. नवविवाहित जोड़ों और उनके परिवारों के चेहरों पर खुशी साफ झलकती रही.

### सुबह निकली भव्य बारात,शाम को फेरे

सुबह 9 बजे सभी 22 जोड़ों की भव्य बारात निकाली गई. मुख्यमंत्री के पुत्र अभिमन्यु यादव घोड़ी पर सवार होकर बारात में शामिल हुए और लोगों का अभिवादन किया. इस दौरान बारात में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, मुख्यमंत्री की पुत्री आकांक्षा यादव, पुत्र वैभव यादव, सीएम की धर्मपत्नी सीमा यादव, बड़ी बहन कलावती यादव परिवार के अन्य सदस्य और रिश्तेदार शामिल हुए. बड़े भाई नंदलाल यादव, नारायण यादव, भाई बबलू यादव, नीलेश यादव और उनका पूरा परिवार भी प्रोसेशन में थिरकते नजर आए. पूरी बारात सादगी वाले अंदाज में निकली. बैंड-बाजे, पारंपरिक ढोल-नगाड़ों और पुष्प वर्षा से पूरा मार्ग उत्सव स्थल में बदल गया. मुख्यमंत्री स्वयं बारात के साथ चलकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते रहे. इस दौरान मंच लगाकर जगह-जगह बारात का स्वागत भी किया गया.

### यज्ञ वेदिका पर स्वयं पहुंचे मुख्यमंत्री

विवाह की मुख्य रस्मों के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं यज्ञ वेदिका पर पहुंचे और सभी 22 जोड़ों को आशीर्वाद दिया. उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता, सादगी और आर्थिक सरलता का श्रेष्ठ माध्यम है.

**हाथोंहाथ उपहार वितरण**
विवाह संपन्न होने के तुरंत बाद सभी जोड़ों को विवाह प्रमाणपत्र, गृहस्थ जीवन हेतु आवश्यक सामग्री और सामाजिक संस्थाओं की ओर से उपहार दिए गए.

## एक नजर में

### एसआईआर सर्वे कार्य पूर्ण, सम्मान समारोह आयोजित

**बड़नगर।** ग्राम जलोदिया में एसआईआर सर्वे का कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।यह सर्वे ग्राम प्रशासन और स्थानीय टीम के सहयोग से किया गया।इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम बीएलओ प्रवीण शर्मा की टीम का स्वागत भाजपा नेता अशोक धबाई एवं सरपंच मनोहरलाल धबाई और ग्राम वासियों ने किया। इसके साथ पूजा राय, चेतन चौहान एवं नारायण लाल जाट, गोपाल यादव, संगीता चौहान, गोलू बैरागी का सम्मान पुष्पमाला अर्पित कर किया गया।उन्हें बधाई दी गई।समारोह में वक्ताओं ने कहा कि एसआईआर सर्वे ग्राम विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।जिससे योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक सटीक और प्रभावी होगा।ग्रामवासियों ने टीम के परिश्रम की सराहना करते हुए इसे सामूहिक सहयोग और प्रशासनिक मार्गदर्शन का परिणाम बताया।

### चातुर्मास में पूर्ण सहयोग देने वाले सदस्यों का किया सम्मान

**उज्जैन।** पद्मावती महिला मंडल द्वारा विनोद मिल मंदिर परिसर में वेडिंग थीम पर साधारण सभा एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अध्यक्ष नीलम पांडया ने बताया कि कार्यक्रम में वेडिंग थीम पर शानदार हाउजी कराई गई, जिसके आयोजक एवं प्रायोजक अंजू गंगवाल व डॉली बोहरा थे।कार्यक्रम का संचालन मीना भूषण व नीलम लुहाड़िया द्वारा किया गया।पद्मावती महिला मंडल द्वारा चातुर्मास के अन्तर्गत मुनि श्री 108 प्रणुत सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में 'माता पिता पाद पूजन' एवं 'एक कदम मोक्ष की ओर' जिसका निर्देशन मीना भूषण जैन और नीलम लुहाड़िया द्वारा किया गया।भाग लेने वाले सभी पार्टिसिपेंट का सम्मान किया।कोषाध्यक्ष श्वेता लुहाड़िया ने चातुर्मास में पूर्ण सहयोग देने वाले सदस्यों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम की विशेष सहयोगी श्रुति बड़जात्या, विमला जैन व सचिव मेघा सेठी ने बताया की वेडिंग थीम के अन्तर्गत विधान एवं चौबीसी में संगीता सोगानी, स्नेहलता विनायका, रेणु कोठारी द्वारा बन्ना बन्नी में मधु कोठारी एवं सरिता पहाड़िया द्वारा, मेंहदी में शिपिका जैन, पायल सेठी, उषा सेठी ,कल्पना शाह, अनीता जैन द्वारा, हल्दी में अर्चना बड़जात्या, तृप्ति जैन, मोनिका टोंगिया द्वारा, संगीत में राखी जैन, राशि जैन, सीमा जैन, रश्मि सिंगई, मनीष सिंगई द्वारा, बारात में रानी की पहाड़िया, विनीता पहाड़िया, परिधि बड़जात्या, नीतू लुहाड़िया, शिल्पा सोगानी, एकता सिंगई द्वारा और दुल्हा दुल्हन में नैना जैन, चंदना जैन द्वारा शानदार प्रस्तुतियां दी गई।आभार मेघा सेठी ने व्यक्त किया।

### 21 बेटियों का विवाह सामाजिक समरसता की ओर अद्भुत पहल–गोविंदा

**उज्जैन।** सुपरस्टार पूर्व सांसद गोविंदा के भांजे फिल्मस्टार विनय आनंद ने 21 बेटियों का सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह कराने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बड़े भाई नारायण यादव, अभय यादव को गोविंदा का संदेश प्रेषित कर नवयुगल दंपत्ति के उवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की।फिल्म स्टार गोविंदा ने अपने संदेश में कहा कि अवंतिका नगरी में राजाधिराज महाकाल बाबा के परम सेवक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा श्री महाकाल बाबा, श्री कृष्ण जी को साक्ष्य एवं यादव परिवार को महज निमित्त मान 21 बेटियां परिणय सूत्र में गुंथित कर, उन्हें पिता तुल्य आशीर्वाद प्रदान करना, सामाजिक समरसता की ओर अद्भुत पहल है।

### निरंकारी दासो ने चरक, वाग्देवी वाटिका में हटाई खरपतवार

**उज्जैन।** निरंकारी मिशन समिति द्वारा सतत वायु अभियान के तहत नवंबर सप्ताह के अंतिम रविवार को शपथ अनुसार निरंकारी दासो ने विक्रम विश्वविद्यालय के चरक वाटिका ओर वाग्देवी वाटिका में रोपित पौधों को संरक्षित करने के उद्देश्य से पौधों के आसपास की खरपतवार को हटा कर उन्हें बड़े होने में सहायता प्रदान की। उज्जैन जोनल इंचार्ज महात्मा राजकुमार गंगवानी ने बताया कि वृक्षारोपण करने का उद्देश्य है कि वृक्षों से स्वच्छ वायु ओर स्वच्छ वातावरण देश में निर्मित हो।वही पौधों को रोप कर उनको अकेला नहीं छोड़ना उन्हें वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल करना भी हमारा दायित्व है।जिसके तहत निरंकारी दास कार्य करते है।आज जो हम फल खा रहे वो हमारे बुजुर्गों ने बोया था जो हम आज बोयेंगे उसे अपने आने वाली पीढ़ी खाएगी।माता जी अक्सर यह बात कहते हे कि वन नेस वन मतलब की आपको पौधों को बो कर उनका ध्यान रखना है।

## सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की

**उज्जैन।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा कराये गये सामूहिक विवाह सम्मेलन में आशीर्वाद प्रदान करने के बाद उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन किए। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी पं. आकाश गुरु ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कराया।

दर्शन उपरांत सर्व श्री सनातन धर्म संस्कार जनकल्याण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. मनोज रावत ने उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला से भेंट कर सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर अरुण पटेल, रितिक सोनगरा, रवि चौधरी सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्यजन मौजद रहे, जिनकी उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा और बढ़ा दी।

मनोज रावत ने बताया कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सुपुत्र डॉ. अभिमन्यु यादव के विवाह समारोह ने उज्जैन में अद्भुत आध्यात्मिक और सामाजिक संगम का माहौल बना दिया।संत समाज से लेकर राजनीति के प्रमुख हस्तियों तक, अनेक गणमान्यजन आशीर्वाद देने पहुंचे।इसी क्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, योग गुरु स्वामी रामदेव, राज्य मंत्री राधा सिंह तथा भाजपा जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय उज्जैन में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में विशेष रूप से उपस्थित रहे। मनोज रावत ने योग गुरु स्वामी रामदेव, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, राज्य मंत्री राधा सिंह तथा भाजपा जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय का शाल-श्रीफल भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया। यह जानकारी अभिजीत जोशी के द्वारा दी गई।

## रोहल कलां के माध्यमिक विद्यालय में सहजयोग ध्यान सत्र का आयोजन किया

**नागदा।** वर्तमान समय में केवल बड़े ही नही कई बच्चे भी छोटी उम्र में मानसिक तनाव और अवसाद जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं।पढ़ाई में ध्यान केंद्रित न कर पाना, बात-बात पर गुस्सा होना, चिड़चिड़ापन, याददाश्त में कमी, सामाजिक मेलजोल का अभाव जैसी कई गहन समस्याएं बच्चों में भी देखी जा रही है।

यहां प्रश्न यह उठता है कि इन सब का स्थाई समाधान क्या है, कैसे हम हम अपनी युवा होती पीढ़ी को शारीरिक और मानसिक रूपसे स्वस्थ और तनाव मुक्त रखें और किस प्रकार इन प्रतिकूल परिस्थितियों में रहते हुए जीवन में संतुलन और शांति लाएं।

सहजयोग सरलता व सहजता से ध्यान करने व आध्यात्मिक उत्थान का एक मार्ग है जिससे हमें मानसिक शांति और तनाव मुक्ति मिलती है।इस योग के माध्यम से सूक्ष्म शरीर में स्थित चक्रों और नाड़ियों का शुध्दीकरण होता है। जो आपके जीवन मे संतुलन स्थापित करता है।

इसी गहन उद्देश्य को लेकर आज ग्राम रोहल कलां के माध्यमिक विद्यालय में बच्चों के लिए सहजयोग ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 90 बच्चे और सुनील कारपेंटर अपने समस्त स्कूली स्टाफ के साथ उपस्थित रहे।ध्यान के इस प्रयोग को सभी बच्चों ने बहुत ही अनुशासित रूप से किया, सभी बच्चों ने अपने अनुभव बताए कि उनके विचार रुक गए और मन में असीम शांति मिल रही है। अपने सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए संस्था के सदस्यों द्वारा ठंड से बचाव हेतु शासकीय विद्यार्थियों को सहजयोग ध्यान केंद्र नागदा की ओर से जूते और मोजे का वितरण किया गया। कार्यक्रम समापन पर बच्चों को स्वल्पाहार भी वितरित किया गया। स्कूल प्रबंधन और ग्राम वासियों ने सहजयोग संस्था का आभार माना। नागदा के सहज योग समन्वयक जगदीश वाधवा ने जानकारी दी कि सहजयोग की स्थापना माताजी निर्मला देवी द्वारा सन 1970 में की गई थी। भारत के हर छोटे बड़े शहर,कस्बे के साथ-साथ विश्व के 120 से अधिक देशों में सहज योग ध्यान के माध्यम से बड़ी संख्या में लोग शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक उत्थान प्राप्त करने के उद्देश्य से जुड़े हुए हैं।

## चम्पाषष्ठी महोत्सव का हुआ समापन

**उज्जैन।** 24 खंभा महाकाल घाटी स्थित समाज की धर्मशाला में क्षत्रिय मराठा समाज द्वारा चम्पाषष्ठी महोत्सव के समापन अवसर पर भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। छह दिवसीय चम्पाषष्ठी महोत्सव पूरे धार्मिक उत्साह, भक्ति और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। समाज के सचिव अनिल गावड़े एवं कोषाध्यक्ष राजेश खोयरे ने जानकारी देते हुए बताया कि भंडारे की शुरुआत से पहले समाज अध्यक्ष अनिल धर्मे की अध्यक्षता में भगवान कुलदेवता मल्हार मार्तंड देव की महाआरती की गई। इस दौरान समाज के वरिष्ठजन, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद सनातन परंपरा के अनुसार पुरुषों और महिलाओं को तिलक लगाकर भंडारा कराया गया। समाज के सैकड़ों लोगों ने भंडारे में भाग लिया और भगवान की प्रसादी ग्रहण की।कार्यक्रम के अंत में समाज समिति की ओर से उपस्थित सभी समाजजनों को भगवान मल्हार मार्तंड देव का चित्र एवं कैलेंडर भेंट कर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष अनिल धर्मे ने कहां की समाज के इस प्रकार के आयोजनों से समाज में एकता, सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा मिलता है। आने वाले दिनों में भी समाज के उत्थान और राष्ट्रहित के लिए अधिक सामाजिक कार्य करने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर सदस्य सुनीता पाटिल, मुकेश शिंदे, अनीता शिंदे, सह-सचिव प्रवीण जाधव, प्रशांत शिंदे, कार्यकारिणी सदस्य रेखा कदम, ममता खोयरे, रणजीत सपकाले, अनिल खोकले, मधुकर राव यादव, अंकित कदम, यशवंत इंगले, अर्चना चव्हाण, चेतना कड़ेकर, कविता जाधव, दीपा गावड़े, कामिनी मोरे, सुलभा काटे, निधि जाधव, सुप्रिया जाधव, ज्योति सपकाले, मीनाक्षी चव्हाण, शरद शितोले, उमाकांत धर्मे, भास्कर राव जाधव, अशोक कदम, नरेंद्र जाधव, यशवंत राव चव्हाण, दिलीप राव गोरकर, गजेंद्र शिंदे, अभय धर्मे, दीपक भोसले, तुषार पवार, प्रदीप शिंदे, महेश पवार, दीपक काटे, अरुण इंगले, अरुण भोसले, संजय कदम, सुभाष शिंदे, मनीष रोकड़े, गौरव रोकड़े, हरिराव गायकवाड़, प्रदीप आवटे, सुरेश राव थोपटे, तेजस्विनी शिंदे, कविता जाधव, सुनीता पाटिल, प्रीति कदम, कामिनी मोरे, राजेंद्र कुमकर, अशोक जाधव आदि शामिल थे।

## कारगिल युद्ध में शहीद बलराम जोशी की 50वीं जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित

**उज्जैन।** कारगिल युद्ध में शहीद उज्जैन के लाडले सपूत बलराम जोशी की 50वीं जयंती पर शहीद पार्क पर उनके प्रतिमा स्थल पर बलराम जोशी स्मृति मंच एवं उनके परिजन सहित गणमान्य नागरिकों ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

कार्यक्रम का देश भक्ति से ओत प्रोत शुभारम्भ करते हुए शैलेंद्र व्यास स्वामी मुस्कुराके ने कहा ...मेरे देश की माटी, तुझको सौ सौ बार सलाम... इसमें खेले गाँधी, गौतम, कृष्ण, राम, बलराम..। कवि सुगनचंद जैन ने अपनी काव्यात्मक भावांजलि में कहा काम आए देश के ऐसा तन चाहिए, हमको बलराम जैसा रतन चाहिए, होके बलिदान अगर फिर से जन्म मिले, इस भारत के जैसा वतन चाहिए। प्रसिद्ध लघु कथाकार संतोष सुपेकर ने शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, श्रद्धेय बलराम तुम कभी ना होंगे अकेले, भारत मां के लाल तुमने फर्ज अपना अदा किया। जान हथेली पर रखकर दुश्मन का सीना चीर दिया, देश पर यह फर्ज अदा कर गहरी नींद सो गए, तुम वीर भारत मां पर शहीद हो गए। कवि नारायण मंगवानी ने परस्पर एकता रखें करुणा संवेदना ना छोड़े, जीवन को प्यार के संग मानवता से जोड़ें। तभी बलिदानियों की आत्मा खुश होगी, और भारत माता गौरवान्वित होगी। मानसिंह शरद ने भारत मां के आंचल पर दाग लगेगा नहीं, आग हो अंगार हो वीर अब रुकेगा नहीं, श्रद्धांजलि सच यही है आज तुम्हें, जान जाए तो जाए तिरंगा झुकेगा नहीं।

## नागदा में किसानों ने थामी जैस्मीन खेती की कमान

**नागदा।** ग्रेसिम जनसेवा ट्रस्ट (सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग) और बाएफ लाइवलीहुड्स, मध्य प्रदेश द्वारा संचालित समुत्थानशील एवं सतत् कृषि विकास कार्यक्रम (द्वितीय चरण) तथा प्रोजेक्ट कृषि नायक के तहत नागदा क्षेत्र में फूलों की खेती को बढ़ावा देने की एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। इस पहल के अंतर्गत ग्राम बेरछा, कलसी, अमलावादिया और बिरियाखेड़ी के कुल 12 किसानों को जैस्मीन (चमेली) के पौधों का सहयोग प्रदान किया गया है, ताकि उनकी आजीविका को और अधिक मजबूत एवं स्थायी बनाया जा सके।

जवाहर (महाराष्ट्र) से लाए गए 5640 जैस्मीन पौधे-कार्यक्रम के तहत ग्राम बेरछा, कलसी अमलावादिया और बिरियाखेड़ी के चयनित किसानों को कुल 5640 उत्कृष्ट किस्म के जैस्मीन पौधे महाराष्ट्र के जवाहर क्षेत्र से लाकर प्रदान किए गए। यह सहयोग किसानों को फूलों की वाणिज्यिक खेती की ओर प्रोत्साहित करेगा, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय के साथ-साथ बेहतर आर्थिक स्थिरता प्राप्त होगी। जैस्मीन खेती की तकनीकी जानकारी और पैकेज ऑफ प्रैक्टिस: जैस्मीन के पौधे जुलाई से नवंबर माह के बीच लगाए जाते हैं। वितरण से पूर्व विशेषज्ञों द्वारा किसानों को पैकेज ऑफ प्रैक्टिस, रोपण तकनीक, बाजार उपलब्धता एवं उन्नत प्रबंधन पर विस्तृत प्रशिक्षण उपरांत प्रत्येक किसान को 750 वर्गमीटर क्षेत्र के लिये 470 जैस्मीन पौधों का सहयोग ग्रेसिम जनसेवा ट्रस्ट, केमीकल डीवीजन के महाप्रबंधक सागर खदद्दा, ग्रामीण विकास अधिकारी अजय नागर, एसएफडी डीवीजन के क्लस्टर हेड जीवन पोरवाल, प्रबन्धक अरविन्द सिंह सिकरवार, बाएफ लाइवलीहुड्स के राज्य प्रमुख पवन पाटीदार, रीजनल इंचार्ज जेएल पाटीदार द्वारा किये गये। इस अवसर पर बाएफ लाइवलीहुड्स के एफपीओ समन्वयक अभिराज काम्बोज, परियोजना टीम से राहुल अडलक, रविन्द्र पाटीदार, रामबाबु राठोर, लोकेन्द्र सिंह राजपूत सहित प्रतिभागी किसान उपस्थित रहे। किसानों की आजीविका में नई आशा जैस्मीन खेती से किसानों को नियमित फूल उत्पादन, स्थानीय एवं शहरी बाजारों में अधिक मांग तथा वर्षभर आय का अवसर प्राप्त होगा।

**एक नजर** ▸ वाकणकर शोध संस्थान, उज्जैन एवं अवंतिका विश्वविद्यालय, लेकोड़ा के संयुक्त तत्वावधान में

## इतिहास और विज्ञान के महा-संगम पर दो दिवसीय विशेष व्याख्यानमाला कल से

**उज्जैन।** वाकणकर शोध संस्थान, उज्जैन एवं अवंतिका विश्वविद्यालय, लेकोड़ा के संयुक्त तत्वावधान में इतिहास और विज्ञान के महा-संगम पर द्वि-दिवसीय विशेष व्याख्यानमाला का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक ज्ञान यज्ञ का साक्षी उज्जैन की पावन भूमि बनेगी।

इस व्याख्यानमाला में प्रख्यात इतिहासकार, खगोलशास्त्री, एवं प्रतिष्ठित यूट्यूबर नीलेश ओक अपने शोध के आधार पर इतिहास के रोचक तथ्यो को स्पष्ट करेंगे। श्री ओक का शोध सिर्फ जानकारी नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास की सदियों पुरानी पहेलियों का निर्णायक समाधान है।

प्रथम दिवस मंगलवार 2 दिसम्बर को सायं 6:30 से सायं 8:00 बजे तक वाकणकर शोध संस्थान में 'तकनीक जो समय से आगे थी!' अंतर्गत रामायण: महाकाव्य, धर्मग्रंथ या प्राचीन भारतीय विज्ञान का विश्वकोश विषय पर व्याख्यान होगा। यह व्याख्यान रामायण में निहित अत्यधिक उन्नत विज्ञान के साक्ष्यों को उजागर करेगा। श्री ओक यह बताएंगे कि कैसे रामायण केवल एक धर्मग्रंथ न होकर भूगोल, अभियांत्रिकी, उन्नत तकनीक आदि के साक्ष्यों से परिपूर्ण एक विश्वकोश है। द्वितीय दिवस 'भारतीय सभ्यता इतिहास की सबसे प्राचीन धरोहर' अंतर्गत काल गणना का प्रमाण: भारतीय सभ्यता की अविश्वसनीय प्राचीनता पर व्याख्यान बुधवार 3 दिसम्बर को अपराह्न 3 से 5 बजे तक अवंतिका विश्वविद्यालय लेकोड़ा में होगा। इस व्याख्यान में नीलेश ओक खगोलीय साक्ष्यों और आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके प्राचीन भारतीय कालक्रम को प्रमाणित करेंगे।यह व्याख्यान, सिंधु घाटी से भी प्राचीन भारत के अस्तित्व को सिद्ध करने वाले निर्णायक प्रमाणों को प्रस्तुत करेगा, जो किताबों में वर्णित इतिहास को बदलने की क्षमता रखता है। खगोलीय प्रमाणों के आधार पर श्री ओक यह सिध्द करेंगे कि भारतीय सभ्यता की जड़ें वर्तमान में मान्य तिथियों से भी कहीं अधिक गहरी हैं और प्राचीन भारत केवल आस्था का नहीं, बल्कि उन्नत विज्ञान का भी केंद्र था! यह ज्ञान दर्शकों को न सिर्फ गर्व महसूस कराएगा, बल्कि इतिहास को पढ़ने का एक नया दृष्टिकोण देगा।

वाकणकर न्यास के सचिव डॉ. दिलीप वाकणकर एवं अवंतिका विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नितिन राणे ने बताया कि यह कार्यक्रम शोधार्थियों के लिए अपने शोध और थीसिस को नई दिशा देने, अभिभावकों के लिए अपने बच्चों को अपनी गौरवशाली विरासत से परिचित कराने, और जिज्ञासु नागरिकों के लिए सत्य को जानने का दुर्लभ अवसर है।

दोनों दिन व्याख्यान के पश्चात् प्रश्न-उत्तर सत्र का आयोजन किया जाएगा, जहां दर्शक सीधे नीलेश ओक से अपने सभी ऐतिहासिक और वैज्ञानिक संदेह दूर कर सकते हैं, अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पा सकते हैं।यह व्याख्यानमाला हमारे मन में अपनी सभ्यता के प्रति श्रद्धा और सम्मान को बढ़ाएगा। डॉ. दिलीप वाकणकर एवं डॉ. नितिन राणे ने उज्जयिनी के श्रोताओं, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों से इस व्याख्यानमाला में उपस्थित रहकर इसे सफल बनाने की अपील की है।